राज कामिक्स

मूल्य 8.00 संख्या 710

इंसाफ

तिरंगा

1996

VISIT…

Uploaded By-Nikhil Kumar

Edited By-Shivam Sharma

Hii Dear Friends,

This is the community for all those
out their with a passion for RajComics..
for all those who are willing to support
the comics industry by purchasing new comics
and sharing the old gems with fellow comic lovers!

Let's bring Rajcomics to its former glory..
Let's bring back our childhood memories..
Let's together inherit the tradition..and share the janoon!

Here You will find all New and Old Comics of Nagraj,Dhruv,Doga,
Parmanu,Steel,Gamraj,Shakti,Kobi-Bhediya,Bhokal,Bankelal,
Chacha Chaudhary,Billoo,Pinki,Ram-Rahim,Crookbond,Tausi,
Angara,Jamboo, and Many Many Many more Super Heroes.

Catch Out New Set Releases first Only in RCJ Community..
And many more weekly and Monthly Comics Marathon/Utsav.

So come forward and join Our Comics Janoon Team
RAJCOMICS HAI MERA JANOON
http://www.orkut.co.in/Main#Community?cmm=41049580

राज कॉमिक्स के उपलब्ध विशेषांक व सुपर विशेषांक

- ☐ नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
- ☐ नागराज और बुगाकू (नागराज)
- ☐ फिर आया नागदंत (नागराज)
- ☐ नागराज और नगीना (नागराज)
- ☐ विजेता नागराज (नागराज)
- ☐ विसर्पी की शादी (नागराज)
- ☐ शाकूरा का चक्रव्यूह (नागराज)
- ☐ नागराज का अंत (नागराज)
- ☐ जहर (नागराज)
- ☐ नागपाशा (नागराज)
- ☐ खजाना (नागराज)
- ☐ क्राइम किंग (नागराज)

- ☐ खतरनाक (डोगा)

- ☐ भोकाल की तलवार (भोकाल)
- ☐ खतरों की धरती

- ☐ ग्रैंडमास्टर रोबो (ध्रुव)
- ☐ आवाज की तबाही (ध्रुव)
- ☐ खूनी खिलौने (ध्रुव)
- ☐ किरीगी का कहर (ध्रुव)
- ☐ चुम्बा का चक्रव्यूह (ध्रुव)
- ☐ डॉक्टर वायरस (ध्रुव)
- ☐ सामरी की ज्वाला (ध्रुव)
- ☐ आत्मा के चोर (ध्रुव)
- ☐ वैम्पायर (ध्रुव)
- ☐ सुप्रीमा (ध्रुव)
- ☐ मैंने मारा ध्रुव को (ध्रुव)
- ☐ हत्यारा कौन ? (ध्रुव)
- ☐ सर्कस (ध्रुव)
- ☐ हत्यारी राशियां (ध्रुव)
- ☐ मौत के चेहरे (ध्रुव)

- ☐ एक कटोरा खून (थ्रिल)
- ☐ शैतान (थ्रिल)
- ☐ तहलका (थ्रिल)
- ☐ भन्जा (थ्रिल)
- ☐ खतरा (थ्रिल)

- ☐ कबाड़नगर (फाइटर टोड्स)
- ☐ करोड़पति (फाइटर टोड्स)
- ☐ मूषकराज (फाइटर टोड्स)
- ☐ रैपस्टार (फाइटर टोड्स)

- ☐ रिवॉल्वर (परमाणु)
- ☐ रोडरोलर (परमाणु)
- ☐ हाहाकार (परमाणु)
- ☐ कहर (परमाणु)
- ☐ अब मरेगा परमाणु (परमाणु)

- ☐ भेड़िया (भेड़िया)
- ☐ वुल्फा (भेड़िया)
- ☐ ग्रहणो (भेड़िया)
- ☐ तिलंगे (भेड़िया)
- ☐ मैं हूं भेड़िया (भेड़िया)

- ☐ बांकेलाल और तिलिस्मदेव

- ☐ गोजो (गोजो)
- ☐ गोजो और दरिन्दे (गोजो)

इन सभी के साथ मुफ्त है आकर्षक उपहार।

सुपर विशेषांक

- ☐ प्रेत अंकल (प्रेत अंकल)
- ☐ हऊआ (प्रेत अंकल)
- ☐ थोडांगा का प्रेत (प्रेत अंकल)
- ☐ फाइटर टोड्स (फाइटर टोड्स सीरीज)
- ☐ चैम्पियन (फाइटर टोड्स सीरीज)
- ☐ खलनायक (महानायक सीरीज)

कोई भी छप्पन रुपए मूल्य या अधिक की कॉमिक आप हम से पर बैठे डाक द्वारा मंगाएं। साथ ही मुफ्त प्राप्त करें एक आकर्षक गिफ्ट ! कृपया छप्पन रुपए या अधिक का मनीआर्डर राजा पॉकेट बुक्स, 330/1 बुराड़ी, दिल्ली-84 के पते पर भेजें। और अपनी मन पसंद कॉमिकों के नाम मनीआर्डर फार्म के निचले हिस्से में अपने पूरे पते के साथ साफ-साफ लिखकर भेजें।

इसी सैट के कॉमिक

- ☐ सजाए मौत (ध्रुव का विशेषांक)
  इस विशेषांक के साथ एक इत्तू कार्ड मुफ्त
- ☐ भोकाल नहीं हारेगा (भोकाल)
- ☐ इंसाफ (तिरंगा)
- ☐ मैटलमैन (इंस्पेक्टर स्टील)
- ☐ बलवान (योद्धा)
- ☐ जन्मदिन (बांकेलाल)

आगामी सैट के कॉमिक

- ☐ बौना भोकाल (भोकाल का विशेषांक)
  इस विशेषांक के साथ एक ट्रेडिंग कार्ड मुफ्त
- ☐ काली विधवा (डोगा)
- ☐ भाटिके का जाल (भेड़िया)
- ☐ उठ मुरदे इंसाफ कर (क्रो सीरीज)
- ☐ जोकर बॉस (फाइटर टोड्स)
- ☐ होली है (बांकेलाल)

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन
प्रकाशक: राजा पॉकेट बुक्स
330/1 बुराड़ी, दिल्ली-84 फोन: 7221410

दिल्ली में वितरक : नागराज नावल्टीज 313 दरीबा कला,
दिल्ली-6 फोन: 3278397

सजय गुप्ता की पेशकश

इंसाफ

लेखक : हनीफ अजहर	सम्पादक : मनीष गुप्ता
सुलेख : दीपिका	चित्रांकन : दिलीप चौबे

दिल्ली–

जिसकी सड़कों का असंख्य वाहनों से भरे रहना आम बात है–

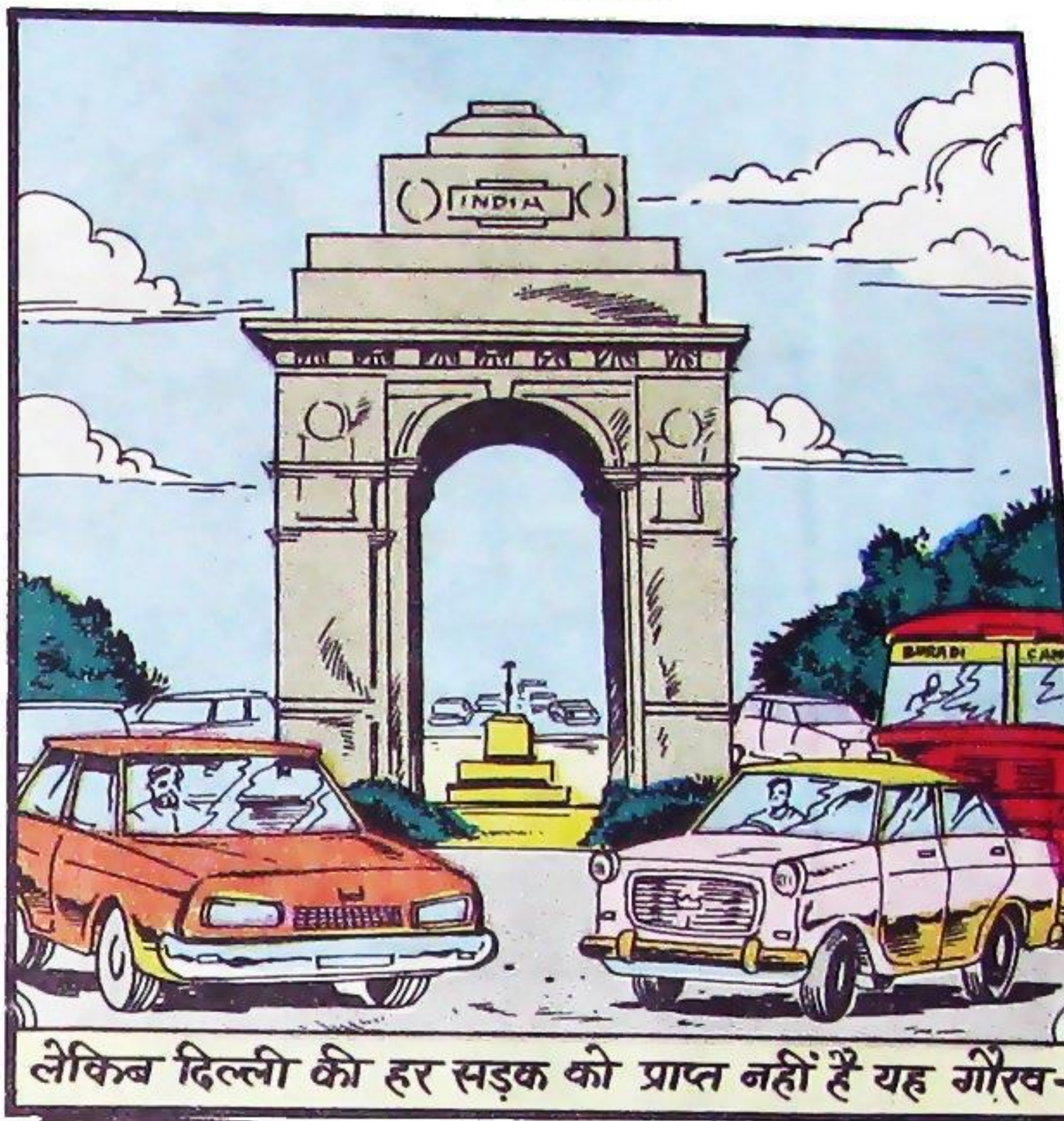

लेकिन दिल्ली की हर सड़क को प्राप्त नहीं है यह गौरव–

बहुत सी सड़कें अधिकतर सुनसान ही रहती हैं–

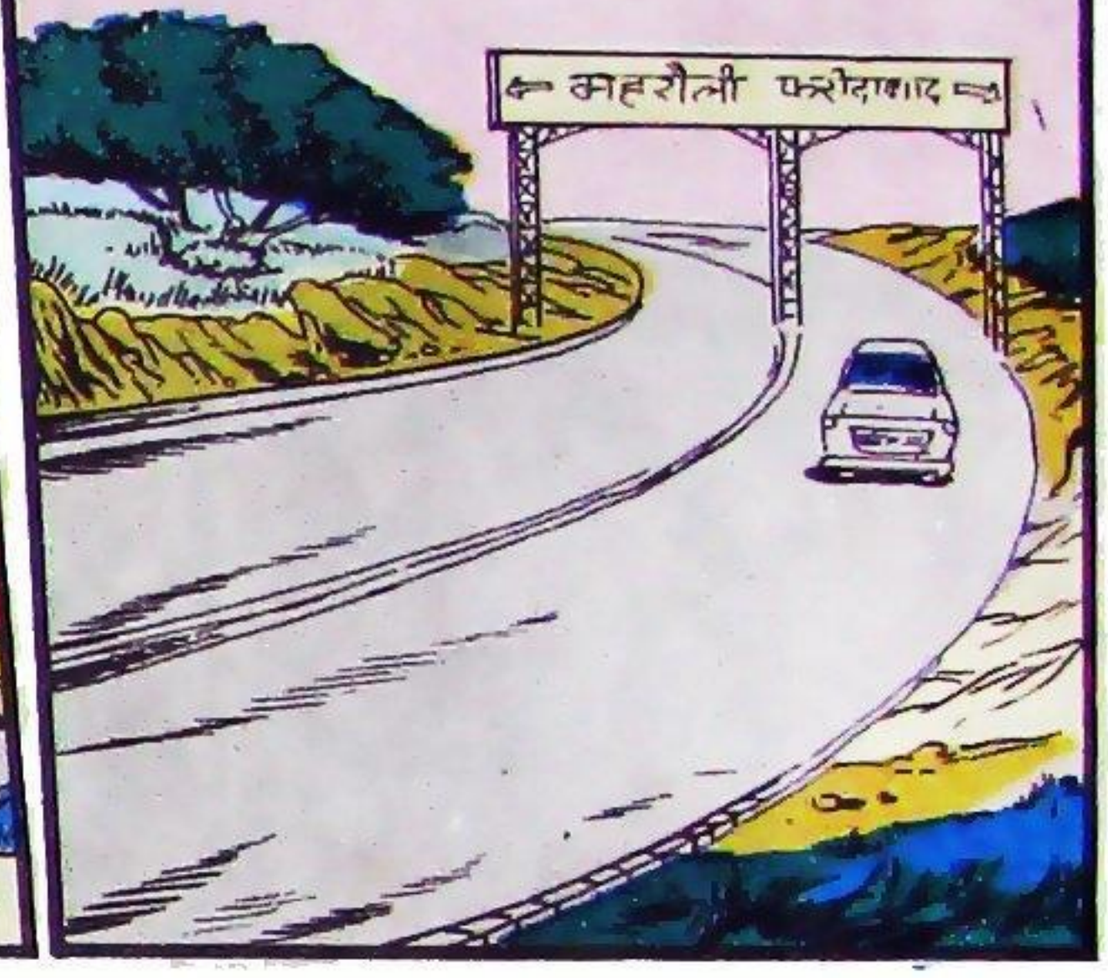

इन्हीं सुनसान सड़कों पर होती हैं ऐसी वारदातें–

तुरन्त ही टैक्सी से बाहर आई बुरी तरह सहमी वह विदेशी युवती–

युवती के दिल में चाकू का खौफ बैठ दिया था टैक्सी ड्राइवर ने-

इसी तरह दूसरी तरफ मुंह करके खड़ी रहना। अगर मुड़कर टैक्सी की तरफ देखने की कोशिश भी की तो मेरी खैर नहीं।

...अब मुझे तुरन्त ही यहां से रफूचक्कर हो जाना चाहिये!

टैक्सी ड्राइवर के दिल में भी...

...किसी का खौफ था-

आऽऽऽ

धड़

इस युवती की किस्मत अच्छी थी कि मैं इधर आ पहुंचा!

और वह खौफ था अशोक चक्र और तीन रंग में रंगी ढाल का।

तिरंगा!

पांच छः दिनों से मानसी से नहीं मिला था। अभी उसी से मिलकर लौट रहा था।

ओह!

मुझे अपने दिमाग से फिलहाल मानसी का ख्याल निकालना होगा वरना ये शैतान टैक्सी ड्राइवर...

दड़

...मेरा दिमाग ही मेरी खोपड़ी से बाहर निकाल...

आऽऽ

...देगा!

धाड़

आऽऽऽ

कुछ ही पलों में टैक्सी ड्राइवर के सभी कस-बल ढीले हो चुके थे-

तुम जैसों की वजह से ही विदेशों में भारत की साख गिर रही है। विदेशी पर्यटकों को लूटकर भारत मां के दामन को दागदार कर रहे हो तुम!

फिर तिरंगा विदेशी युवती की तरफ पलटा-

ऐसे लोगों को सबक सिखाने के लिये इसे पुलिस के हवाले करना जरूरी है। आप इसके खिलाफ कम्पलेंट कीजिये मैडम।

यस। हम कम्पलेंट करेगा, लेकिन अभी नहीं। अभी हमको एक वैरी इम्पोर्टेंट अपायन्टमेंट के लिये जाना मांगता...

...हम इसकी टैक्सी का नम्बर नोट कर लिया है। बाद में हम इसको अच्छा सबक सिखायेगा।

ओ० के० थ्रू यू विश।

गुडमैन हम अपना अपायंटमेंट के लिए लेट हो रहा है। क्या तुम हमको करौलबाग तक लिफ्ट देना सकता।

क्यों नहीं। मैं उधर ही जा रहा हूं आइये।

जल्दी ही-

थैंक्यू जैन्टिलमैन।

DEO TOYS

मेन्शन नॉट!

अब मुझे जनशक्ति की सदस्यता लेने के लिये 'जन-शक्ति' के ऑफिस पहुंचना है और उसके लिए मुझे तिरंगा से बनना होगा...

अभय ! अभय देशपांडे है मेरा नाम। आप सब अधिकारियों की ईमानदारी और आपकी संस्था की कार्यविधि से प्रभावित होकर मैंने आपकी संस्था का सदस्य बनने का निर्णय लिया है।

निर्णय अच्छा है नौजवान, लेकिन आज के समय में ईमानदारी और कर्त्तव्य के रास्ते पर चलना अंगारों पर चलने के समान है।... क्या चल सकोगे ऐसे रास्तों पर?

सच्चाई और कर्त्तव्य के रास्ते पर अपना सब कुछ लुटा देने वाले हवलदार रामनाथ देशपांडे का बेटा हूं मैं। मैं सच्चाई और कर्त्तव्य के लिये अंगारों के रास्ते पर क्या मौत के रास्ते पर भी चलने को तैयार हूं।

अन्याय और भ्रष्टाचार के तूफान में फंसकर बहुत से बीतें बनाने वालों को तिनके के समान उड़ते देखा है मैंने।

हर तूफान के आगे पर्वतों की भांति अडिग रहूंगा मैं...

...और ये बात मैं साबित करके दिखा सकता हूं।

कैसे?

कुछ ही पलों में मोमबत्ती की लौ ने अभय की हथेली का मांस जलाना शुरू कर दिया-

... अभय के हौंसले उसकी दृढ़ता और उसके निश्चय को नहीं जला पाया-

यही कारण था कि अलफांसो ने आगे बढ़कर खुद मोमबत्ती एक झटके से अभय की हथेली के नीचे से हटा दी-

बस नौजवान, बस। तुमने साबित कर दिखाया है कि तुम्हारे हौसले पर्वतों से भी बढ़कर हैं...

हर 'तूफान' का सीना चीरने की शक्ति है तुम्हारे इरादों में।

आज से हम तुम्हें 'जनशक्ति' का सक्रिय सदस्य बनाते हैं।

थैंक्यू सर! थैंक्यू वेरी मच!

जनशक्ति का सदस्य बन गया अभय-

जनशक्ति में आने के मुझे कई फायदे हैं। एक तो मैं अभय के रूप में अपना और कालेज की पढ़ाई का खर्चा निकाल सकता हूं और दूसरा तिरंगा के लिये सूचनाएं इकट्ठी कर सकता हूं।

अरे! यह क्या?

'चिपक कर' रह गईं उसकी निगाहें अखबार में छपी उस फोटो और खबर पर-

सांध्य टाइम्स

विदेशी पर्यटक युवती मारग्रेट की लाश टैक्सी में मिली सम्भावित हत्यारा टैक्सी ड्राइवर फरार

सोचते-सोचते अभय अचानक बुरी तरह चिहुंका-

यह तो वही युवती है जिसे आज सुबह मैंने लिफ्ट दी थी, लेकिन इसकी हत्या टैक्सी ड्राइवर ने की है, ये बात कुछ जमती नहीं। वह इतना बेवकूफ नहीं है कि हत्या करके लाश को अपनी टैक्सी में ही छोड़कर भाग जाये...

...अगर उसने ऐसा किया होता तो वह लाश को बड़ी आसानी से कहीं भी ठिकाने लगा सकता था...

...मुझे इसमें कोई रहस्य दिख रहा है और वह रहस्य क्या है यह जानने के लिये मुझे रात का इंतज़ार करना होगा। जब मैं इन्वेस्टीगेशन के लिये बनकर निकलूंगा...

...निरंजन -

उस विदेशी युवती की हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिये मुझे सबसे पहले जाना होगा 'दिया टॉयस' के उस ऑफिस में जहां आज सुबह मैंने उसे छोड़ा था।

दियो टॉयस के ऑफिस में पहुंचकर तिरंगा को बहुत हैरतअंगेज बात पता चली-

व्हाट नानसैंस, मारग्रेट का आपके साथ अपायन्टमैंट था और फिर सुबह मैं खुद उसे आपके ऑफिस के बाहर छोड़ गया हूं और आप कह रहे हैं कि वह यहां आई ही नहीं।

मैं सच कह रहा हूं।

झूठ!...आप बिल्कुल झूठ बोल रहे हैं मिस्टर दीपक वर्मा और इसका सुबूत है आपका दस्ताना जिससे मैं पहले ही पुष्टि कर चुका हूं कि मारग्रेट आज सुबह यहां आई थी।

लड़खड़ा गई दीपक वर्मा की जुबान-

हूं...हो सकता है... हो सकता है वह यहां आई हो, लेकिन वह मुझसे नहीं मिली...

...अब आप जा सकते हैं मुझे अपने मामा के० पी० सिंह से मिलने जाना है।

के० पी० सिंह जी तो मिनिस्टर हैं। ओह...तो ये मुझे यह बताना चाहता है कि यह मिनिस्टर का भांजा है...

...लेकिन शायद ये नहीं जानता कि अगर ये शैतान का भी भांजा होता तो तिरंगा इसका पीछा छोड़ने वाला नहीं था।

मुझे नहीं लगता कि ये मेरा पीछा इतनी आसानी से छोड़ देगा। इसलिए इसका कोई दूसरा इंतजाम सोचना होगा।

Rajcomics Presents

Team RCJ

Rajcomics Hai Mera Janoon

साये की तरह दीपक वर्मा के पीछे लग चुका था तिरंगा-

मास्ब्रेट की हत्या में कहीं न कहीं दीपक वर्मा का हाथ जरूर है...

अचा॰क चौंका तिरंगा-

ओह। दीपक वर्मा की कार के चौराहा पार करते ही स्कार्पियो बीच में आ गये उस ट्रक ने मेरा रास्ता रोक लिया है। मुझे बाइक रोकनी होगी वरना...

...एक्सीडेंट हो जायेगा...

ओह! रोकते-रोकते भी आखिर बाइक ट्रक की बॉडी से टकरा ही गई।

चींऽऽ

धड़ाऽऽ

अरे, यह क्या ट्रक से कुछ गुण्डे कूदकर सड़क पर आ गये हैं। इन के हाथों में घातक हथियार भी हैं।...क्या इरादे हैं इनके?

ओह! ..,ये मेरी हड्डी-पसलियां तोड़ना चाहते हैं।

लेकिन ये शायद नहीं जानते कि स्क तिरंगा इन सब पर आराम से भारि पड़ सकता है।

सारा शरीर तोड़ डालेंगे हम तेरा।

लेकिन मेरे पास तोड़ने के लिये बस तुम्हारा हाथ है, लेकिन मैं जिस चीज को ज्यादा तोड़ना पसन्द करता हूं...

...वह भोंबड़ा है।

मुझे उसके साथ बिजी देखकर तुम सब मुझ पर झपट पड़े जबकि उसके साथ बिजी था मेरा एक ही हाथ। तुमसे निबटने के लिये अभी तक खाली है मेरा एक हाथ...

धड़ाक

...और दो लातें।

धुम्म

धाड़

एक ने निकाल ली रिवॉल्वर-

लगता है तुझे रिवॉल्वर की गोली खाकर मरने का शौक है।

रिवॉल्वर!

सच पूछो तो मुझे रिवॉल्वर से ज्यादा अगर किसी चीज से नफरत है...

...तो वह है रिवॉल्वर वाले से।

धड़ाक

कुछ ही पलों में सारे हमलावरों को धराशायी कर चुका था तिरंगा–

मुझ पर हमला करवा कर हालांकि, दीपक वर्मा ने अपने आपको अपराधी साबित कर दिया है, लेकिन फिर भी पक्के सुबूतों के बिना मैं उस पर हाथ नहीं डालूंगा!

इसके लिए तिरंगा को जनशक्ति की मदद लेनी होगी।

जल्द ही जनशक्ति के ऑफिस में–

मिनिस्टर के० पी० सिंह के भांजे की हत्या का अपराधी ठहराते हुए तिरंगा ने यह पत्र हमें लिखा है जिसमें हमें उसके खिलाफ आन्दोलन करने और उसे सजा दिलाने की अपील की गई है.. आप सबका इस विषय में क्या कहना है?

तिरंगा का लिखा गलत नहीं हो सकता। हमें इस विषय में तुरन्त ही एक्शन लेना होगा।

जनशक्ति

आप जुलूस लेकर दीपक वर्मा के घर पर पहुंचिए। मैं पुलिस हैडक्वार्टर फोन करके वहां पुलिस का इंतजाम कराता हूं।

ओ० के०।

जनशक्ति से मुझे जो उम्मीद थी वह शत-प्रतिशत पूरी हुई।

कुछ ही देर में-

DEO TOYS

विदेशी युवती के सम्भावित हत्यारे को गिरफ्तार करो।

गिरफ्तार करो। गिरफ्तार करो।

...और अन्दर पुलिस ने-

यू आर अन्डर अरैस्ट मिस्टर दीपक वर्मा।

लेकिन मैडम मैं बेगुनाह हूं। मुझ पर झूठा इल्जाम लगाया गया है।

ये देखना पुलिस का काम है...

बाहर जनशक्ति ने मोर्चा सम्भाल रखा था...

पुलिस जिप्सी में बैठता दीपक वर्मा चीख-चीख कर कह रहा था-

तिरंगा ने मुझे फंसाया है। मैं बेगुनाह हूं।... मैं बेगुनाह हूं।

...लेकिन फिलहाल तिरंगा की रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक सम्भावित हत्यारे तुम ही हो। बाहर रहकर तुम हत्या के सुबूत नष्ट करने के प्रयत्न कर सकते हो, इसलिये तुम्हें पुलिस कस्टडी में रखना जरूरी है! चलिए।

POLICE

तिरंगा-

दीपक वर्मा जिस तरह चीख रहा था उससे स्क-बारगी लगता तो नहीं कि वह हत्यारा है... तो क्या हत्या सचमुच टैक्सी ड्राइवर ने ही की है?

हो सकता है मुझे इस विषय में भी सोचकर देखना चाहिए। ...लेकिन सोचने ही से क्या होगा। टैक्सी ड्राइवर मिले तो बात बने!...

...लेकिन वह मिलेगा कहां? इतने बड़े दिल्ली शहर में जाने कहां छिपा होगा कम्बख्त।

अचानक तिरंगा को उस आवाज ने चौंकाया-

चोर-चोर

मुझे उस चोर को पकड़ने में लोगों की मदद करनी चाहिये।

लेकिन जब तक तिरंगा अपनी बाइक खड़ी करके भीड़ तक पहुंचा तब तक चोर आंखों से ओझल हो गया-

कहां गया?

उस सामने वाले खण्डहर बंगले में।

तो फिर अन्दर घुसकर उसे पकड़ क्यों नहीं लेते?

आतंक भरा हुआ था उसके स्वर में—

वह भूतहा खण्डहर है। उस खण्डहर में घुसकर कौन अपनी जान की मुसीबत मोल ले। देख लेना वह चोर भी उस भूत का शिकार हुए बिना नहीं रह सकता।

धिक्कार है तुम पर। इतने सारे होकर एक ऐसे भूत से डर रहे हो जिसका कोई अस्तित्व नहीं होता।...

...मैं इस खण्डहर में घुसकर उस चोर को बाहर लाता हूं।

मौत से खेलने जा रहा है तिरंगा। भगवान बचाये इसे।

धड़ाक खण्डहर में घुसता चला गया तिरंगा—

धड़

इतनी बड़ी जगह में वह छिपा कहां होगा?

कहानी 19 वें पृष्ठ से जारी

उसे कहां तलाश करूं!

आहह!

धड़

बस पहलवान, काफी शक्तिशाली है तुम्हारे वार इसलिये इन्हें अपने शरीर तक पहुंचने देने का मेरा कोई विचार नहीं है...

धूंऽऽ

...हां, यदि विचार बना तो तुम्हें बताऊंगा जरूर लेकिन न सेण्ट्रल जेल में आकर..

धाड़

...जहां मैं तुम्हें पहुंचाऊंगा...

...अरे!

तुम तो वही टैक्सी ड्राइवर हो। तुम... चोर भी?

म...म...मैं चोर नहीं हूं...

चोर वह है जिसे मैंने यहां आते ही रॉड मारकर बेहोश कर दिया था।

तुम चोर नहीं, लेकिन एक विदेशी युवती के फरार हत्यारे तो हो।

न...नहीं तिरंगा मेरा विश्वास करो! मैंने उस युवती की हत्या नहीं की! मुझे फंसाया जा रहा है!

तुम झूठ बोल रहे हो उसकी लाश तुम्हारी टैक्सी में ही मिली है!

इसी वजह से तो मैं फरार हूं, क्योंकि लाश मेरी टैक्सी में मिलने के कारण सारी दुनिया मुझे ही उस युवती का कातिल समझ रही है...

जबकि बात दूसरी है तुम्हारे सामने जब उसने मेरी कम्पलेंट करने की धमकी दी थी तो मैं बुरी तरह डर गया था। मैं पहले से ही जानता था कि उसने 'दियो टॉयज' कम्पनी के ऑफिस में जाना था। मैं उससे माफी मांगने के लिये वहां पहुंचा।

थोड़ी देर बाद वह कम्पनी के ऑफिस से निकलकर बाहर आई। मैं उसके सामने हाथ जोड़कर खड़ा हो गया। मैंने उससे कहा कि ऐसा मैंने अपनी कैंसर से पीड़ित मां के लिये किया है। वह मुझे माफ कर दे। वह पसीज गई। और बोली –

DEO TOY

हमको वापस होटल छोड़कर आओ।

उसे बिठाकर मैंने खुशी-खुशी टैक्सी आगे बढ़ा दी...

...लेकिन अभी टैक्सी कुछ ही दूर चल पाई थी कि आगे रास्ता ०लाक देखकर मैंने टैक्सी रोक दी –

और बस मानो मेरा वह टैक्सी रोकना ही गजब हो गया –

Team RCJ Presents

Rajcomics Hai Mera Jahaan

झाड़ियों से निकलकर आये कई गुण्डों ने मुझे और उसे पकड़कर टैक्सी से बाहर खींच लिया-

आऊ।

ओह!

और फिर पलक झपकते ही उन्होंने मेरे सामने ही उसकी हत्या कर डाली-

धड़ाक

जाते-जाते वे मुझे बेहोश करना नहीं भूले-

कड़ाक

कुछ देर बाद जब मुझे होश आया तो सारी स्थिति देखकर मेरे होश फाख्ता हो गये-

तिरंगा जानता है कि इसने मुझे पुलिस के हवाले करने की सोच रखी थी...

तिरंगा इस घटना को जब सारी दुनिया को बतायेगा तो सभी मुझे हत्यारा मानेंगे और मैं किसी भी तरह अपने आपको बेगुनाह साबित नहीं कर पाऊंगा।

उस वक्त सब सोच-सोचकर मैं इतना आतंकित हो गया...

वहां से भाग खड़ा हुआ और इस भूतिया स्वण्ड-हैरे में आ छिपा। लेकिन तुमने मुझे ढूंढ लिया

तुमने हत्यारों को देखा है। तुम्हारी वजह से उन तक पहुंचा जा सकता है इसलिए अच्छी तरह से याद करके हत्यारों की कोई पहचान बताने की कोशिश करो।

सभी ने अपने चेहरों पर नकाब पहने हुए थे।

हां! एक का दायां हाथ लकड़ी का था और उसका वह हाथ जरूर टूट भी गया होगा, क्योंकि जिस समय उसने मुझे बेहोश करने के लिये अपना हाथ मेरे सिर पर मारा था तो लकड़ी टूटने जैसी आवाज हुई थी।

आर्टिफिशियल लकड़ी का हाथ... ये कोई बहुत बड़ी पहचान तो नहीं है, लेकिन फिर भी आगे बढ़ने की कोशिश की जा सकती है।

...लेकिन बाद में। पहले मैं तुम्हें और इस चोर को पुलिस के हवाले कर दूं।

म..म...मुझे क्यों? मैंने क्या किया है?

...कुछ नहीं, लेकिन तुम हत्या के प्राइम-सस्पैक्ट जरूर हो। इसलिये तुम्हें पुलिस हिरासत में होना चाहिए।

ल... ल... लेकिन मैं...

अगर तुम सचमुच बेगुनाह हो तो डरो मत। विश्वास रखो..

...इंसाफ करेगा तिरंगा।

फिर चोर और टैक्सी ड्राइवर को पुलिस स्टेशन छोड़ने के बाद-

अगर वाकई उस बदमाश का हाथ क्रेक हुआ है तो वह उसे बदलेगा जरूर और आर्टि-फिशियल अंग बेचने वाली शहर में दो ही दुकानें हैं...

...उन दुकानों पर पूछताछ करके शायद किसी निष्कर्ष तक पहुंचा जा सके।

POLICE STATION

पहली दुकान पर पहुंचकर तिरंगा को निराश ही होना पड़ा-

ARTIFICIAL LIMB HOUSE

इस दुकानदार का कहना है कि पिछले तीन दिनों से उसकी दुकान पर वैसा कोई ग्राहक नहीं आया इसलिये अब मुझे पहुंचना है...

...दूसरी दुकान पर-

उसकी कोई खास आदत, कोई खास बात नोट की हो आपने?

हां, कल रात एक ऐसा ग्राहक आया तो था, लेकिन वह कहां से आया था और अब कहां पाया जायेगा ये मैं कैसे बता सकता हूं।

जिस समय उसने पेमेन्ट करने के लिये अपना बटुआ निकाला था तो उसके साथ ही एक ताश की गड्डी भी निकलकर फर्श पर गिर गई थी!

ताश की गड्डी।

धन्यवाद दोस्त, धन्यवाद।

कोई नवाड़ा जुआरी ही ताश की गड्डी को हर समय जेब में रखेगा। इसलिये उसे खोजने के लिये शहर के सारे जुआघरों की खाक छाननी होगी।

जल्द ही एक जुआघर में–

कौन हो तुम?

धड़ाक

निरंगा!

निरंगा हो या पतंगा, दंगा के सामने गुस्ताखी करने वाला अपने पैरों पर खड़ा नहीं रह सकता।

मैं तुमसे जो पूछने आया हूं उसके लिये मैं तुम्हारी तीन गलतियां माफ कर सकता हूं यह पहली है...

स्वाहा कर दो इसे...

...और यह दूसरी है।

...और ये तीसरी।

मैं कोई भगवान कृष्ण नहीं जो तुम्हारी सैकड़ों...

...गलतियों को माफ कर दूं...

...इसलिए मुझे तुम पर वार करके तुम्हें बेहोश करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है।

अब अगर तुम भी अपनी हालत अपने साथियों जैसी नहीं करवाना चाहते तो बताओ वह कौन है जिसके इशारे पर तुमने विदेशी युवती की हत्या की?

अब तो टेपरिकार्डर की तरह चालू हो गया पोंगा –

जल्द ही शहर की प्रतिष्ठित खिलौना फैक्ट्री 'फन टॉयज' में –

कौन हो तुम? ...और क्या करने आये हो यहां?

मेरा नाम तिरंगा है मिस्टर सुरेन्द्र डोगरा, और मैं यहां तुम्हें एक दिलचस्प कहानी सुनाने आया हूं।

कहानी? ...कैसी कहानी... मेरा किसी कहानी से क्या सम्बंध?

ध्यान से मेरी कहानी सुन लीजिये, फिर सब कुछ तुम्हें पता चल जायेगा।

FUN TOYS

मेरी कहानी शुरू होती है एक ऐसी विदेशी युवती से जो विदेश की एक प्रसिद्ध खिलौना कम्पनी की प्रतिनिधि है जो भारत की किसी खिलौना कम्पनी से सहयोग करके भारत में अपना बिजनेस फैलाना चाहती है। इसी सिलसिले में वह युवती एक प्रसिद्ध खिलौना फैक्ट्री में सर्वे करने जाती है...

...उस कम्पनी का मालिक बहुत खुश होता है और उसे खुशी-खुशी फैक्ट्री का टूर कराता है। उसे पूरा यकीन है कि विदेशी कम्पनी उसी के साथ गठबंधन पसंद करेगी।

लेकिन हुआ उसका उल्टा ही। उस युवती ने फैक्ट्री में बहुत-सी ऐसी कमियां पाईं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए असहनीय थी–

सॉरी मिस्टर! हमारा कम्पनी तुमसे कोलोबरेशन नहीं करने को सकता।

उसका ऐसा कहते ही फैक्टी मालिक के अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनी की मदद से लाखों-करोड़ों कमाने के सपनों पर मानो गाज गिर गई–

उसने उस विदेशी युवती को मनाने के लिये रिश्वत की ऑफर की, लेकिन वह नहीं मानी और दूसरी कम्पनी के सर्वे के लिए चल दी। पहला फैक्ट्री मालिक यह जानता था कि दूसरी फैक्ट्री का सर्वे करके वह युवती सन्तुष्ट हो जायेगी और उससे सहयोग करने को राजी हो जायेगी इसलिये उसने उस युवती को सबक सिखाने और दूसरी कम्पनी को बदनाम कराने के लिये कुछ पेशेवर कातिलों को किराये पर लिया और...

कड़ाक

...उस विदेशी युवती की हत्या करा दी-

...तुम!

ना...ना...इंकार करने की कोशिश मत करना मिस्टर डोगरा, क्योंकि योगा ने मुझे सब कुछ बता दिया है जो मेरे सौजन्य से हवालात पहुंच चुका है...

इसके बाद भी वह चुप नहीं बैठा। उसने दूसरी कम्पनी का पूरी तरह भट्टा बैठाने के लिये मुझ पर हमला करवाया ताकि मैं उसी कम्पनी के मालिक को हत्यारा समझूं...

...लेकिन मैं जान गया हूं कि हत्यारे हो...

!!

...मेरे सौजन्य से ही अब तुम भी वह हवालात की कोठरी उसके साथ 'शेयर' करोगी। इसी के साथ इस कहानी का 'दि एण्ड' होगा।

तुम सब जान चुके हो निशा, इसलिये दिपाने से कोई फायदा नहीं। कहानी सच्ची है तुम्हारी, लेकिन इसे शुरू मैंने किया था...

...इसलिए 'दि एण्ड' भी मैं ही करूंगा, तुम्हारी मौत के साथ...

खट्

...और तुझे मौत देंगे ये मौत के खिलौने जिन्हें ऐसे ही किसी मौके के लिए मैंने विशेष रूप से बनवा रखा है।

ओह!

दुश्मन लाख जालिम सही कोई गम नहीं...

धड़ाम

...तिरंगा को मिटा सके इतना खिलौने में दम नहीं।

कड़ाक

तभी गूंजी डोगरा की आवाज-

इस खिलौने में दम नहीं निकला तिरंगा तो क्या हुआ, जिस कैबिन में तू इस समय बंद है वहां तो ऐसे सैकड़ों मौत के खिलौने मौजूद हैं...

... देखें तेरी किस्मत में किससे मौत लिखी है।

उफ! ये मौत उगलने वाला खिलौना पैटन टैंक...

...और ये प्लेन जिनके 'डैने' किसी ब्लेड से भी ज्यादा तेज धार वाले हैं..

...इनमें से कोई मेरी मौत बने उससे पहले ही इन्हें खत्म करना होगा!

तिरंगा के हाथ से छूटी ढाल अपना काम करके...

... वापस तिरंगा तक नहीं पहुंच पाई-

ओह! एक प्लेन से टकराकर मुझ तक वापस पहुंचती ढाल बीच में ही गिर गई...

ओफ्फ!

..अब तो इनसे बचने से ज्यादा इन्हें नष्ट करने की जरूरत है। और ऐसा करने के लिए मुझे ज्यादा कुछ नहीं करना...सिर्फ इन दोनों टैंकों...

..को अपने हाथों में उठाकर अपने लक्ष्य की तरफ करना है बाकी काम ये खुद कर देंगे

...इस तरह...

कड़ाक

...और इस तरह...

बहुत खूब...बहुत खूब लिखा। लेकिन जब तक तू इस कैबिन में बंद है, तू मौत से किसी हाल में नहीं बच सकता।

धड़ाम

धड़ाम

सही कहा तुमने। सचमुच इस कैबिन में रहकर मेरा बचना मुश्किल है...इसलिए मैं इसके दरवाजे को तोड़ने की गुस्ताखी कर रहा हूं।

...हवाइयां उड़ने लगीं डोगरा के चेहरे पर-

अब वह किसी भी समय मेरे पास पहुंच सकता है। मुझे यहां से भाग जाना...

टैंकों के धमाकों से दरवाजे का टूटना था कि...

... चाहिए आहट

तुम यहां से जाओगे तो सही डोगरा, लेकिन कहीं और नहीं...

भड़ाक

... सीधा हवालात में।

हवालात में डोगरा ने अपना अपराध कुबूल करने में ही अपनी भलाई समझी।

टैक्सी ड्राइवर और दीपक वर्मा को छोड़ दिया गया-

तुम्हारे साथ जो हुआ उसके लिए मुझे खेद है मिस्टर वर्मा, लेकिन इसके जिम्मेदार तुम भी हो। मारग्रेट के बारे में तुमने जो झूठ बोला उसी ने तुम्हें फंसवाया।

तुमने ठीक कहा तिरंगा! सच्चाई यह है कि मारग्रेट मुझसे मिली थी, लेकिन उसकी हत्या से मेरे दिल में यह डर बैठ गया कि अगर मैंने उससे मिलना कुबूल कर लिया तो मैं ही हत्यारा कहलाऊंगा।

फिर तिरंगा वहां नहीं रुका-

कानून और इंसाफ की आवाज बनता जा रहा है तिरंगा।

समाप्त

संसद भवन का तिरंगा तो मैंने हथिया लिया है। बाकी दो तिरंगे भी जल्दी ही मेरे पास होंगे।

यह कौन से दो झण्डों की बात कर रहा है यह पता लगाना जरूरी है वरना सफल हो जाएगा ये...

NAGRAJ YEAR 1996

तिरंगा का दुश्मन

राज कॉमिक्स में डिटेक्टिव हीरो तिरंगा की जासूसी कॉमिक

क्या आप तिरंगा की मदद कर सकते हैं। उसे यह बताकर कि वे कौन सी दो महत्त्वपूर्ण इमारतें हैं जिनके झण्डे अब कफन चुराएगा। ...सही हल पोस्टकार्ड पर लिख कर भेजने वाले 100 प्रतियोगियों को मिलेगी तिरंगा का दुश्मन की आटोग्राफ कॉमिक। अपने जवाब 20 जुलाई, 1996 तक निम्न पते पर भेजें।

तिरंगा झण्डा कांटेस्ट, 1603, दरीबाकलां, दिल्ली-110006

TEAM RCJ PRESENTS

TEAM RCJ PRESENTS

DOGA

Rajcomis Kai Mera Jaanoon